



Indian Institute of Mass Communication
Post Graduate Diploma in Radio & TV Journalism
Entrance Examination 2018-19 (English)

May 27, 2018

Maximum Marks : 75
Time – 02 hours

Instructions

- A. The test is aimed at assessing your awareness of certain issues, communication skills and analytical bent of mind.
 - B. While answering questions, you are supposed to focus on clarity and precision in your expression.
 - C. Try to complete your answer within the prescribed word-limit.
 - D. Mobile phones, calculators and other electronic devices are strictly prohibited in the Examination Hall. Anyone caught using unfair means would be disqualified.
 - E. Question Number 1 and 5 are compulsory. All questions carry equal marks.
1. Write a note (minimum 150 words each) on any three of the following :-
 - a. Efforts to form a Third Front for General Elections - 2019
 - b. Swachh Bharat
 - c. India's Performance in Commonwealth Games - 2018
 - d. PM's recent visit to Nepal
 - e. Karnataka Poll Verdict
 2. Describe (Minimum – Ten Sentences) any three of the following personalities:-
 - a. Khushwant Singh
 - b. M.Chalapathi Rau
 - c. Prabhu Chawla
 - d. Dr. A. Surya Prakash
 - e. Arnab Goswami
 3. Which TV/Radio Program do you like the most and why? You may cite some examples in favor of your arguments.
 4. Why were the following in News recently? Pick-up any three. Write Minimum ten sentences for each personality.
 - a. Arjan Singh
 - b. Vladimir Putin
 - c. Indu Malhotra
 - d. Meghna Gulzar
 - e. Saina Nehwal
 5. Translate the following paragraph in Hindi:-

The leaders of the world bear an unenviable burden. They must provide for the well-being of their citizenries, preferring these over themselves, rejecting outdated models that emphasize self and promote imbalances of power. They must ask, and crucially begin answering, the right questions. For instance: What are the elements of our economic system that make it deeply dysfunctional? Why are women largely excluded from meaningful decision-making when their participation benefits everyone? How can we stem the tide of growing inequality threatening the stability of nations? How can we invest in the well-being of rising generations, giving them every opportunity to walk a path far more meaningful and far less treacherous than the one we have trodden? This is a spiritual truth whose expression in the world has been suppressed throughout most of history, owing in part to imbalanced systems and structures that have long favoured men's progress and participation over women's. While the equality of women and men is being increasingly acknowledged, this does not automatically eliminate the impediments that can obstruct its expression in every dimension of life. Significant advances have been made in terms of educational access and the creation of environments for women to thrive alongside men; nevertheless, far more remains to be accomplished. Systemic and structural injustice continues to suppress women's potential, plunging humanity into crisis after crisis. Until these inequalities are thoroughly uprooted from the fabric of society, humanity will remain mired in the conflict, despair, confusion, and imbalance that have come to define much of modern life. While the path towards prosperity has many obstacles, it is also paved with hope.



भारतीय जन संचार संस्थान
स्नातकोत्तर डिप्लोमा : रेडियो तथा टीवी पत्रकारिता
प्रवेश परीक्षा : 2018 (हिन्दी)

27 मई, 2018

कुल अंक : 75
समय : 2 घंटे

निर्देश:-

- क. इस परीक्षा से विभिन्न विषयों पर आपकी जागरूकता, लेखन क्षमता तथा विश्लेषण की योग्यता जांचने में मदद मिलेगी।
- ख. स्पष्ट और संक्षिप्त उत्तर दें।
- ग. निर्धारित शब्द सीमा में उत्तर देने का प्रयास करें।
- घ. मोबाइल फोन जैसे उपकरण परीक्षा भवन में लाना मना है। किसी अनुचित माध्यम का इस्तेमाल करते हुए पकड़े जाने पर आपको अयोग्य ठहरा दिया जाएगा।
- ङ. प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं तीन पर कम से कम 150 शब्दों में टिप्पणी लिखें :-
 - i) 2019 के आम चुनाव के लिए तीसरा मोर्चा बनाने के प्रयास
 - ii) स्वच्छ भारत
 - iii) 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रदर्शन
 - iv) प्रधानमंत्री की हाल की नेपाल यात्रा
 - v) कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणाम
2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन का कम से कम 10-10 वाक्यों में विवरण दें :-
 - i) प्रभु चावला
 - ii) सुधीर चौधरी
 - iii) दीपक चौरसिया
 - iv) शिवराम शंकर आपटे
 - v) जगजित किशोर शुक्ल
3. कौन से हिंदी टी वी/रेडियो चैनल का कौन-सा कार्यक्रम आपको बहुत पसंद है और क्यों? आप अपने तर्कों के समर्थन में कुछ उदाहरण भी दे सकते हैं।
4. निम्नलिखित व्यक्ति हाल ही में समाचारों में क्यों थे? किन्हीं तीन व्यक्तियों का दस-दस वाक्यों में विवरण दें।
 - i) अर्जुन सिंह
 - ii) क्लादिमिर पुतिन
 - iii) इंदु मल्होत्रा
 - iv) मैघना गुलजार
 - v) सायना नेहवाल
5. निम्नलिखित हिंदी अनुच्छेद का अंग्रेजी में अनुवाद करें :-

बया आज का युवक सेल्फी के नाम पर मौत को दावत दे रहा है। खतरनाक स्थानों पर सेल्फी लेने का शौक लगातार बढ़ता जा रहा है। हकीकत यह है कि सेल्फी लेते वक्त अगर कोई जरा सी भी लापरवाही करता है तो इसकी कीमत उसे कई बार जान देकर चुकानी पड़ती है। पहाड़ों में किसी खतरनाक घटना पर खड़े होकर और शहरों में किसी जोखिम भरे स्थान पर खड़े होकर सेल्फी लेने के लालच में मौत के मुंह में चले जाने की खबरें अक्सर अखबारों में पढ़ने को मिल रही हैं। हम सोते-जागते, खाते-पीते, भागते-दौड़ते सेल्फी ले रहे हैं। सेल्फी एक ऐसा ट्रेंड बन चुका है कि हर कोई अपने आपको एक मंडा हुआ फोटोग्राफर साबित करने का जरा सा मौका भी नहीं चूकना चाहता। लेकिन हल्की सी चूक होने पर या तो यह हरकत जानलेवा साबित होती है या फिर जीवन भर अफसोस दे जाती है। कुल्लु जिले में ब्यास नदी के तेज बहाव में हैदराबाद के एक इंजीनियरिंग कॉलेज के 24 छात्रों की मौत के बाद भी पर्यटकों ने कोई सबक नहीं लिया। ये छात्र ब्यास नदी के किनारे फोटोग्राफी ही कर रहे थे। सेतावनी के बर्ड लगे होने के बावजूद पर्यटक अपनी मनमानी से बाज नहीं आ रहे। खजियार में भी इसी तरह की एक दुर्घटना हुई थी। पंजाब से घूमने आई एक युवती सेल्फी लेने के लिए एक बड़े पत्थर पर चढ़ गई, लेकिन अचानक उसका पांव फिसल गया और वह खाई में जा गिरी। वहां मौजूद लोगों ने इस पर्यटक को तुरंत चंबा के सरकारी अस्पताल में पहुंचाया, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। पिस्तौल के साथ सेल्फी लेने के चक्कर में घर का जवान बेटा अपनी जान से हाथ धो बैठा। ये नाबालिग अपने पिता की लाइसेंसी पिस्तौल के साथ सेल्फी ले रहा था। वक्त आ गया है कि युवा पीढ़ी को सेल्फी के इस पागलपन से बचाया जाए।